

भिक्षु दृष्टांत-40

प्र. 1 किन्हीं तेरह प्रश्नों के उत्तर एक वाक्य में दीजिए-

13

- (क) 'बिना लाभ का आरम्भ' किसने किया?
- (ख) सामीदास जी के सम्प्रदाय में क्या लिखत था?
- (ग) भीखण जी स्वामी ने नरक किसके हिस्से में बताया?
- (घ) 'बासती' किसे कहते हैं?
- (ङ) आचार्य भिक्षु ने किसकी रात को बड़ी व किस अपेक्षा से बताया?
- (च) भीखण जी स्वामी रोटी के लिए कौन सी क्रिया नहीं छोड़ना चाहते थे?
- (छ) आचार्य भिक्षु ने जीव के भेद, गुणस्थान, उपयोग, योग, लेश्या का प्रश्न किससे पूछा?
- (ज) माधोपुर में श्रावक गूजरमल जी और केसूराम जी परस्पर किस चर्चा में उलझ गये?
- (झ) मयाराम जी ने आचार्य भीखण जी की किस मान्यता को मिथ्या बताया?
- (ञ) 'हम मरते जीवों की रक्षा करते हैं, भीखण जी नहीं करते।' इस कथन पर स्वामीजी ने क्या प्रत्युत्तर दिया?
- (ट) वेषधारी साधु कुसलो जी और तिलोक जी ने कठोर चर्चा के लिए कौन सी कठोर प्ररूपणा की?
- (ठ) 'आप भविष्य और अतीत का लेखा-जोखा बतलाते हैं। वह किसने देखा है?' ठाकर मोखम सिंह जी के इस प्रश्न पर स्वामीजी ने क्या उत्तर दिया?
- (ड) बावेचा लोगों के ढोलक बजाने पर स्वामीजी किसके परीषह सहने में दृढ़ता देखना चाहते थे?
- (ढ) भीखण जी स्वामी अन्य संप्रदायों के साधुओं को साधु नहीं मानते थे फिर भी उन्हें ये अमुक संप्रदाय के साधु ऐसा क्यों कहते थे?
- (ण) भीखण जी स्वामी के अनुसार अनशन कब करना चाहिए?

प्र. 2 किन्हीं दो घटना-प्रसंगों को 100 से 150 शब्दों में लिखें-

12

- (क) स्वामीजी का वचन मिल गया।
- (ख) तड़क कर क्यों बोलते हो?
- (ग) जैसी नीति वैसा फल।
- (घ) पौषध में प्रतिलेखन क्यों?
- (ङ) सब घरों में गोचरी क्यों नहीं जाते?

- प्र. 3 किसी एक प्रश्न का उत्तर दृष्टान्तों के आधार पर विस्तार से दीजिए- 15
- (क) कोई चार दृष्टान्तों के द्वारा सिद्ध करें कि आचार्य भिक्षु पांच महाव्रतों के पालन में सजग थे और दोष लगाने वाले को सचेत करते थे।
- (ख) हेमजी स्वामी की दीक्षा का दृष्टान्तों द्वारा वर्णन करें।

### महासती सरदारों-15

- प्र. 4 किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर एक या दो वाक्य में दीजिए- 3
- (क) 'साध्वी सरदारों कहां है?' ऋषिराय जी के इस प्रश्न का युवाचार्य श्री ने क्या उत्तर दिया?
- (ख) 'बड़ी दीक्षा' किसे कहते हैं?
- (ग) सरदारों ने बाजोली में कौन से सन्तों का दर्शन किया तथा उनसे क्या मांगा?
- (घ) आचार्य ऋषिराय जी का थली प्रदेश में आगमन कब हुआ?
- (ङ) सरदारों ने आगम युग के धन्य मुनि की स्मृति किस प्रकार करवाई?
- प्र. 5 किन्हीं दो प्रश्नों का 100 से 150 शब्दों में उत्तर दीजिए- 12
- (क) सरदारों की दीक्षा में मुनि जीतमल जी की भूमिका पर प्रकाश डालें।
- (ख) सिद्ध करें कि महासती सरदारों अर्हता सम्पन्न साध्वी थीं, जिनका व्यवस्था कौशल भी अद्भुत था।
- (ग) सिद्ध करें कि महासती सरदारों एक ऐसी विरल साधिका थी जिन्हें संयम रत्न पाने तथा जीवन के अंतिम क्षणों में भी गुरु की सन्निधि में आराधना करने का सुअवसर प्राप्त हुआ?

### अनुकम्पा की चौपाई-30

- प्र. 6 किन्हीं पांच प्रश्नों के उत्तर एक वाक्य में दीजिए- 5
- (क) मूला खिलाने में मिश्र धर्म मानने वालों की श्रद्धा को किसके समान बताया गया है?
- (ख) जिनेश्वर देव ने 'पाखंडी' किसे कहा है?
- (ग) चौथे व पांचवें आश्रव कौन से हैं?
- (घ) गोशालक को भगवान महावीर ने किस अवस्था में और क्यों बचाया?
- (ङ) कोई किसी का खोया हुआ धन बताता है यह कौन सा भाव है?
- (च) भगवान महावीर को किस ग्राम, कौन से खेत व पेड़ के नीचे केवल ज्ञान प्राप्त हुआ?
- (छ) षट्कायिक जीवों के शस्त्र रूप जीव को बचाने वाले को क्या कहा गया है?
- प्र. 7 ढाल आठ के अनुसार साधु व श्रावक की संभोग व्यवस्था में क्या अन्तर है? 10

अथवा

ढाल नौ के संदर्भ में 'दया' भगवती को व्याख्यायित करें।

प्र. 8 किन्हीं दो पद्यों की सप्रसंग व्याख्या करें-

15

- (क) ए तो पुत्रादिक जायां परणीयां, ओछवादिक हो ओरी सीतला जाण ।  
एहवो कारण कोइ उपनें, श्रेणक राजा हो फेरी नगरी में आण ॥
- (ख) कूड कपट करे नें पापीये रे, झूठेर सासण दीयो थाप रे ।  
अणहंतो तीर्थकर वाज्यो लोक में रे, वीर नो सासण दीयो उथाप रे ॥
- (ग) बचावण वाला बिचे तो उपजावण वालो, सांप्रत दीसे उपगारी मोटो ।  
यारो निरणों कीयां विण धर्म कहे छे, त्यारो तो मत निकेवल खोटो ॥
- (घ) मछ गलागल लग रही, सारा द्वीप समुन्द्रा मांय जी ।  
जो धर्म हुवे जीव बचावीयां, तो इंद्र थोड़ा में देवे मिटाय जी ॥

### भिक्षुवाणी-15

प्र. 9 कोई पांच पद्य लिखें-

15

- (क) छ काय.....मिलियो आय ॥
- (ख) ज्युं अधर्म.....चाल्या ॥
- (ग) आत्मशुद्धि की प्रक्रिया ।
- (घ) जीवन-सूत्र ।
- (ङ) घर में.....गुमान ॥
- (च) बुद्धि ।
- (छ) बाजर.....में झूठ ॥
- (ज) आबां.....तणी ए ॥